>

Title: Need to provide funds for improvement of basic infrastructure in Varanasi.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। विश्व में सबसे प्राचीन नगर बनारस है। यह धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक राजधानी है। कई सालों से यहां गम्भीर समस्याएं पैदा हुई हैं, जिनके कारण यहां का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यहां पर लाखों पर्यटक देश-विदेश से आते हैं। बनारस पूर्वांचल का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है। यहां यातायात की गम्भीर समस्या है और अक्सर जाम लगा रहता है। इस शहर की आबादी इतनी बढ़ रही है कि उसे नियंत्रित करना और सुविधाएं देने का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत सरकार ने शहरों के विकास के लिए जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी विकास योजना बनाई है। इसके तहत उत्तर प्रदेश को बहुत कम राशि आबंटित की गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए और अवस्थापना हेतु मूलभूत सुविधाओं के लिए भारत सरकार के प्रधान मंत्री जी से पत्र लिखकर और मिलकर बनारस शहर के सम्पूर्ण विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की मांग की है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि यह सांस्कृतिक-धार्मिक नगरी है, जहां गंगा-यमुनी तहज़ीब के साथ लोग रहते हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि उस मद को बढ़ाकर उत्तर प्रदेश सरकार की मदद करें। वहां ओवरब्रिज न बनने से जाम लगा रहता है। एक अंधरा पुल है जहां के चौड़ीकरण का प्रस्ताव रेल मंत्रालय के पास गया है। कजापुरा मोड़ है, करियप्पा मार्ग है जो आज तक खोला नहीं गया है जिससे शहर दो भागों में बंट गया है, रेलवे लाइन के चलते शहर दो भागों में बंट जाता है जिससे जाम की समस्या इतनी होती है कि तीन-तीन, चार-चार घंटे छात्र-व्यापारी-कर्मचारी जाम में फंसे रहते हैं। अभी वहां पेय-जल के लिए लाइन बिछायी जा रही है और सड़कें खोद दी गयी हैं। उसी तरह से सीवर ट्रीटमेंट के लिए पाइप-लाइन डाली जा रही है और वह भी धन के अभाव में खुदी पड़ी है और सड़कों पर धूल ही धूल दिखाई पड़ रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पानी निकासी की गंभीर समस्या से शहर जूझ रहा है। इस शहर में बुनकरों की बड़ी आबादी है, जहां निचले इलाकों में बरसात के दिनों में पानी भर जाता है और बुनकर व गरीब लोग उस पानी के भरे रहने के कारण गंभीर बीमारियों से जूझते रहते हैं। मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार वह उसके स्वास्थ्य मंत्रालय से भी कहना चाहता हूं कि काशी-हिंदू विश्वविद्यालय के अस्पताल को अपग्रेड करने की जरुरत है। वहां एम्स जैसी सुविधा या एम्स बनाने की आवश्यकता है, उसे मालवीय जी ने पहले अपग्रेड कराया था। इसलिए मैं सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं और आपसे कहना चाहता हूं कि काशी की महत्ता दुनिया भर में है। यहां मोक्ष के लिए लोग आते हैं लेकिन शहर की हालत पूरी तरह से खराब है, जर्जर है। गंगा प्रदूषित है और बगल में वरुणा है, जहां उसकी साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक से नहीं हो पाती है। राज्य सरकार के पास इतने संसाधन नहीं हैं। बार-बार उत्तर प्रदेश की सरकार केन्द्र से मांग करती है लेकिन वहां धन नहीं दिया जा रहा है।

यह संतों की नगरी है। संत रविदास जी के दो-दो मंदिर हैं। माननीय बाबू जगजीवन राम जी ने एक मंदिर वहां बनवाया था। उसी प्रकार से वहां काशी-विश्वनाथ मंदिर है। ज्ञान-व्यापी मस्जिद है और बगल में सारनाथ बौद्ध जी की उपदेश-स्थली है, जैन मंदिर है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थान के संपूर्ण विकास के लिए मैं सरकार से बार-बार निवेदन करुंगा कि उत्तर प्रदेश सरकार को ज्यादा से ज्यादा धन दें और उस पूरे शहर को एक विकसित शहर के रूप में बनाया जाए। जैसे गोमती पर कई पुल बनाकर लखनऊ को सुंदर बनाया गया है, दिल्ली को सुंदर बनाया जा रहा है। इसी तरह से गंगा पर अगर दो-तीन पुलों का निर्माण कर दिया जाए तो शहर की आबादी का घनत्व घट जाएगा। हमारे माननीय नेता जी बैठे हैं, और ये जब बनारस गये थे एक मिनट में गंगा पर बनारस में दूसरा पुल बनवाने को कहा और वह अब बनकर तैयार होने जा रहा है, लेकिन अगर एक-दो पुल भारत सरकार की मद से बन जाए तो बनारस शहर का जनसंख्या का घनत्व घट जाएगा और लोग शहर से बाहर भी बसने का काम करेंगे।

बनारस के व्यापारी, छात्र और आम लोग बहुत परेशान हैं, इसलिए बनारस का संपूर्ण और कारगर ढंग से विकास करने के लिए केन्द्र सरकार मदद करने का काम करे।